वीर निर्वाण स्मारक-१९७६ (फोल्डर नं. ०४०३२)

सम्पादक – भँवरलाल पोल्याका

मुख्य टाइटल

प्रथम खण्ड – भगवान् महावीर – जीवन, मनन, चिन्तन और चरण

मंगलाचरणम्--- १

मंगलचारणम् (पायात् सदा नः प्रभुः) – डॉ. पन्नालाल --- १

भगवान् महावीर का जीवन और उपदेश – श्री नन्दकिशोर जैन ---------------------------------३

वीर अवतार (कविता) – श्री रतनलाल गंगवाल --१२

अनेकान्त आलोक में भगवान् महावीर – श्री निहालचन्दजैन -----------------------------------१३

क्षमावीर महावीर – मुनिश्री पार्श्वकुमार -- १७

औपनिषदिक महायोगी भगवान् महावीर – आ. रमेशचन्द्र शास्त्री -------------------------------२१

भगवान महावीर-परम्परा और प्रयोग – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री ------------------------------- २५

भगवान महावीर और उनके धर्म की समन्वयात्मक पृष्ठ भूमि – श्री रिषभदास रांका ---------- ३३

आत्मद्रष्टा महावीर की जीवन दृष्टि – श्री प्रतापचन्द जैन ------------------------------------- ४३

महावीर के सिद्धान्त, युगीन सन्दर्भ में – डॉ. सागरमल जैन -------------------------------- ४९

आधुनिक युग को जैनदर्शन का प्रदेय नयवाद और अनेकान्तवाद – डॉ. कृपाशंकर व्यास ------ ६५

समस्याओं के चौराहे और महावीर का अपरिग्रहवाद – रूपवती ------------------------------- ७१

भगवान महावीर के उपदेश आज के सन्दर्भ में-आत्म शांति – डॉ. जयकिशनप्रसाद खण्डेलवाल --- ७७

महावीर के सिद्धान्त एवं समस्याओं का समाधान – श्री भूरचन्द जैन --------------------------८१

बदलते सन्दर्भों में थङ्कर – डॉ. कुसुम पटोरिया -- ८५

स्त्री स्वातन्त्रय और महावीर – डॉ. श्रीमती राजेश्वरी भट्ट ------------------------------------ ९१

समस्याओं के समाधान में भगवान महावीर के उपदेशों का सामर्थ्य -0 श्री सुभाषचन्द्र दर्शनाचार्य --- ९७

जैनधर्म में स्त्रियों के अधिकार तथा गोत्र परिवर्तन – पं. परमेष्ठीदास न्यायतीर्थ -------------- १०३

भगवान महावीर के सम्बन्ध में कुछ ज्ञातव्य – श्री एस. एम. जैन -------------------------- १०९

जैनधर्म की दृष्टि में हमारा जीवन व्यवहार – श्री प्रकाशचन्द्र ----------------------------------११३

खुली आंख से दृश्य दीखते... – डॉ. महेन्द्रसागर प्रचण्डिया ---------------------------------- ११९

कुछ मुक्तक – डॉ. सुरेशचन्द जैन --- १२०

अपरिग्रह या श्रमनिष्ठा – डॉ. जमनलाल जैन ---१२१

जैनदर्शन में भावनाविषयक चिन्तन - डॉ. शान्ता भानावत ---------------------------------- १२५

सम्पूर्मता की राह में बाधक-क्रोध – डॉ. हुकमचन्द भारिल्ल --------------------------------- १३३

अपरिग्रह के नये क्षितिज – डॉ. प्रेमसुमन -- १३७

आत्मा चिन्तामणि है – श्री ज्ञानमती माताजी -- १४५

जैनदर्शन में समन्वय भावना – डॉ. नरेन्द्र भानावत -- १४९
सन्मति का समन्वयात्मक सिद्धान्त स्याद्वाद – डॉ. कन्छेदीलाल------------------------------ १५३
महावीर का दिगम्बरत्व – पं. प्रेमचन्द -- १५९
जैनदर्शन में जीव का स्वरूप – कुमारी प्रीति जैन -- १६१
अहिंसा के अंकुर – श्री शर्मनलाल --- १६८
जैन दृष्टि – डॉ. इन्द्रचन्द्र शास्त्री --- १६९
भगवान् महावीर और उनका सन्देश – प्रो. सिताबचन्द सोगानी ------------------------------ १७३
भगवान् महावीर की अहिंसा का असली रूप – श्री व्योहार राजेन्द्रसिंह ----------------------- १७५

द्वितीय खण्ड

अहिंसाया – पूर्वपीठिका – पं. अमृतलाल शास्त्री -- १
सन्देश काव्यों में पार्श्वाभ्युदय का स्थान – डॉ. रमेशचन्द्र जैन ----------------------------------३
सांगानेर में रचित अज्ञातजैन महाकाव्य स्थूलभद्र गुणमाला – डॉ. सत्यव्रत --------------------१३
अहिंसा के तीन प्रमुख प्रचारक – श्री हीरालाल जैन ---२१
हिन्दी वाङ्मय में तीर्थङ्कर महावीर – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे --------------------------------- २५
अपभ्रंश साहित्य में महावीर – डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल ------------------------------------ ४१
दक्षिण भारत में जैनधर्म का प्रवेश – श्री रमाकान्त जैन -- ४५
शाहदरा की रत्नत्रय चतुर्विंशतिका – श्री कुन्दनलाल जैन -------------------------------------- ४९
पउम चरियं में महावीर चरित्र और उपदेश – श्री अगरचंद नाहटा ------------------------------ ५१
नागार्जुन की जैन गुफा – श्री नीर जजैन -- ५५
खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख – श्री नीरज जैन और डॉ. अग्रवाल ------------------------- ५९
एक रोचक जिन-बिम्ब – श्री शैलेन्द्रकुमार रस्तोगी --- ६५
राजस्थान का इतिहास और पुरातत्त्व – श्री दिगम्बरदास जैन ------------------------------------ ६९
संत तारणतरण की क्रान्तिकारी अभीप्सा – श्री राजधर जैन -------------------------------------- ७७
पं. सदासुखजी का निधन स्थल अजमेर या बैराठ – विद्यावारिधी डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन -------- ७९
छेड़ दो – श्री रमेशचन्द्र -- ८२
आत्मधर्मी जैनाचार्य जवाहर की राष्ट्रधर्मी भूमिका – डॉ. इंदरराज वैद ------------------------ ८३
मुक्तक – श्री आनन्द जैन--- ८६
त्रिविक्रम कथा के जैन स्रोत और रूपान्तर – श्री रमेश जैन ------------------------------------- ८७
महावीर ने बार-बार कहा है – डॉ. भागचन्द जैन भास्कर --------------------------------------- ९१
ऐतिहासिक महापुरुष भगवान नेमिनाथ और उनका काल-निर्णय – वैद्य प्रकाशचन्द पांड्या ----- ९३

तृतीय खण्ड

सम्यक् दर्शनज्ञानचारित्रणि मोक्षमार्गः – श्री प्रवीणचन्द्र छाबड़ा ------------------------------- १
आचार्य कुंदकुंद – एक व्यक्तित्व – श्री प्रकाश हितैषी शास्त्री ------------------------------------२
कोई सुनेगा – श्री उदयचन्द प्रभाकर शास्त्री --- ७
बटवारे के क्षण – श्री सुरेश -- १०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चर्या के दर्पण में चर्चा के चहरें – श्री मगनलाल -- १४
करेगा सो भरेगा – श्री मोतीलाल सुराना-- १६
साहित्य समीक्षा -- १७
भगवान् महावीर के जन्म, दीक्षा केवल प्राप्ति एवं मोक्षधाम की अंग्रेजी तारीखें – श्री प्यारेचन्द महेता -- २५

English Contents

Mahavira on Individual and His Social Responsibility – Dr. Kamal Chand Sogani---------------1
Mahavira's Doctrine of Ahimsa and its Impact – Dr. S. M. Pahasiya --------------------------------5
Jainism V/s. Atheism – Dr. Om Prakash Sharma -- 11
Voice of Saints – Shri Mool Chand Patni -- 14
The Non-absolutistic Attitudes and their Relevance in Jainism and Buddhism – Dr. Ramjee Singh --- 15
Word and Meaning the Jaina point of view - Dr. Harendra Prasad Varma ----------------------- 19
Historical Role of Jainism in Malwa – Kailash Chand Jain-- 28

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org